HIGH COURT BAR ASSOCIATION, ALLAHABAD
हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद

President Ashok Kumar Singh 9450595213

Hony. Secretary Nitin Sharma 9415317887

Senior Vice President :
Amit K. Srivastava (Amit Kumar) 9415338555

Vice President :
Ashutosh Pandey 9415241621
Ashok Kumar Tripathi 9415375599
Ajay Kumar Mishra (Ajay Jai Hind) 7897679898
Arvind Kumar Srivastava 9450623501
Swarn Lata Suman 9415645191

Joint Secretary Administration :
Sarvesh Kumar Dubey 9450581660

Joint Secretary Library :
Ajay Singh 9450624039

Joint Secretary Press :
Amrendu Singh 9415645810

Joint Secretary Women :
Anjana Chaturvedi 9450887030

Treasurer :
Ashish Kumar Mishra (Ashish Mishra) 9450869472

Member of Governing Council :
Preeti Dwivedi 9506688040
Smt. Sarita Singh 7398978985
Abhyudaya Tripathi 9415481998
Vinod Rai 9453106947
Amit Kumar Pandey 7379009717
Om Prakash Vishwakarma (O.P. Vishwakarma) 9455760660
Arvind Kumar Singh 9452680277
Arun Kumar Tripathi 8953534828
Ashutosh Mishra (Nagraha) 9335664712
Sudheer Kumar Kesarwani (S.K. Kesarwani) 9452982977
Saima Saher 8565969437
Aniruddha Ojha 9415639121
Anil Kumar Mishra 9335931886
Gulab Singh Yadav 9506090562
Anil Pratap Singh 9140557585

Ref. No.

Dated : 17.05.2023

प्रकाशनार्थ

प्रयागराज! आज दिनांक 17.05.2023 को आयोजित विधि व्याख्यान माला की छठवीं कड़ी में संविधान श्रृंखला विषय पर मा0 न्यायमूर्ति श्री नीरज तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में एवं श्री संजीव सिह वरिष्ठ अधिवक्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उक्त कार्यक्रम उपाध्यक्ष श्री अरविन्द कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता व संयुक्त सचिव लाइब्रेरी श्री अजय सिंह के संचालन में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के आरम्भ में मा0 मुख्य अतिथि का स्वागत श्री अनिल प्रताप सिंह एवं श्री अनिल कुमार मिश्र (कार्यकारिणी सदस्यगण) ने आम का पौधा और संयुक्त सचिव प्रेस श्री अमरेन्दु सिंह ने गंगाजल व विशिष्ट अतिथि का स्वागत स्वर्णलता सुमन (उपाध्यक्ष) एवं साइमा शहर (कार्यकारिणी सदस्यगण) ने चीकू का पौधा व संयुक्त सचिव प्रशासन श्री सर्वेश कुमार दुबे ने गंगाजल देकर किया।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के महासचिव श्री नितिन शर्मा जी का स्वागत श्री अभ्युदय त्रिपाठी, श्री अरुण कुमार त्रिपाठी, श्री अमित कुमार पाण्डेय ने अमरूद का पौधा व श्री सुधीर कुमार केसरवानी ने गंगाजल समर्पित करके किया।

स्वागत के उपरान्त विशिष्ट अतिथि श्री संजीव सिंह वरिष्ठ अधिवक्ता ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि उन्होंने अधिवक्ता कोर्ट आफिसर के रूप में न्यायालय में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करता है, उसे कभी भी उसके मुवक्किल के द्वारा दिए गए पेपर से अलग कुछ भी नहीं लिखना चाहिए। विधि व्यवसाय बहुत ही उच्च कोटि का व्यवसाय है और इसको केवल व्यवसाय के रूप में न देखते हुए हमें अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी शालीनता, ईमानदारी और प्रभावशाली ढंग से निभानी चाहिए। मुकदमों के तथ्य छोटे एवं प्रभावशाली होने चाहिए जो कम शब्दों में ज्यादा कुछ बता सकें। अधिवक्ताओं को न्यायालय की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए। भक्ति वह नहीं है जो हम मन्दिर के अन्दर करते हैं बल्कि भक्ति/पूजा वह है कि हम किसी के हित के लिए कोई पुण्य कार्य करें। अगर हम मेहनत करते हैं तो उसका फल हमें अवश्य मिलेगा। कनिष्ठ अधिवक्ताओं को अपने वरिष्ठ अधिवक्ताओं से प्रेरणा, ज्ञान लेना चाहिए और उनके बताए अनुसार अपना मार्ग प्रशस्त करना चाहिए।

मा0 मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री नीरज तिवारी जी ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की सम्पूर्ण कार्यकारिणी को इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने हेतु साधुवाद ज्ञापित किया और कहा कि इससे बार और बेंच के मध्य सामंजस्य एवं सम्बन्ध मधुर बनेंगे। किसी की आलोचना नहीं करनी चाहिए यदि कोई बात बिगड़ जाती है तो उसको आपसी सामंजस्य बनाकर सुलझा लेना ही समझदारी होती है। न्यायालय की गरिमा का ध्यान रखें। प्रस्तावना संविधान का महत्वपूर्ण अंग है जिससे यह समझ में आ जाता है कि संविधान का विषय क्या है। सामाजिक न्याय, आर्थिक न्याय और राजनैतिक न्याय में मतभेद का सबसे बड़ा कारण अर्थ व्यवस्था है यदि अर्थ व्यवस्था सुदृढ़ है तो सामाजिक और राजनैतिक न्याय की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। सामाजिक न्याय की ओर हम बढ़ रहे हैं जिसको हमें और अधिक बढ़ाना होगा तभी हमारा समाज सुदृढ़ हो सकेगा। राजनैतिक न्याय में सभी को चुनाव लड़ने का अधिकार होता है लेकिन आर्थिक और सामाजिक न्याय इसको प्रभावित करते हैं जिसकी वजह से कभी–कभी हमारे बीच गलत लोग चुन लिए जाते हैं जिसके फलस्वरूप समाज दूषित होता है। हमें इस क्षेत्र में और अधिक जिम्मेदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना है। अधिवक्ता न्यायालय के समक्ष अपनी बात सहजता से परन्तु सही–सही रखें, मुकदमों को बिन्दुवार, छोटे–छोटे शब्दों का प्रयोग करते हुए आसान भाषा में और मात्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ ही तैयार करें जिससे न्यायालय को आसानी होगी। तथ्यों पर पूरी तैयारी होनी चाहिए और तथ्यों पर बहस करने के लिए निशानदेही अवश्य करें जिससे न्यायालय का समय भी बचे और आपकी बात भी सुनी जा सके। मुकदमा जीतना और हारना तो रोज का काम है लेकिन मुकदमों की वजह से आपसी मनमुटाव या संबंध खराब नहीं होने चाहिए।

सर्वश्री अरविन्द कुमार श्रीवास्तव, स्वर्णलता सुमन (उपाध्यक्षगण), सर्वेश कुमार दुबे (संयुक्त सचिव प्रशासन), अजय सिंह (संयुक्त सचिव लाइब्रेरी), अमरेन्दु सिंह (संयुक्त सचिव प्रेस), अभ्युदय त्रिपाठी, अमित कुमार पाण्डेय, अरविन्द कुमार सिंह, अरूण कुमार त्रिपाठी, सुधीर कुमार केसरवानी, साइमा सहेर, अनिल कुमार मिश्र एवं अनिल प्रताप सिंह (कार्यकारिणी सदस्यगण) सहित काफी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

Amrendu Singh

(अमरेन्दु सिंह)
संयुक्त सचिव प्रेस

Amrendu Singh
Joint Secretary (Press)
High Court Bar Association
Allahabad